प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2019-20

हिंदी (ऐच्छिक) (कोड-002)

कक्षा - XII

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं - क, ख, ग।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- चार अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।
- पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

	खंड - क	16
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	11
	हमें अपने उच्च धरातल के प्रति जागरूक बन कर स्वयं को एक विकसित राष्ट्र के नागरिक के रूप में देखना चाहिए। हमारी महान सभ्यता रही है और यहां जनमे हम में से प्रत्येक को इस सभ्यता के ज्ञान पर भरोसा करना चाहिए। हमारे धर्म ग्रंथ बताते हैं कि हमारे और शेष संसार के बीच कोई अवरोध नहीं है, कि हम भी उसी तरह से ही संसार का रूप हैं जैसे यह संसार हमारे भीतर है। अब आपको खुद ही इस दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। मैं कुछ और बातों का भी जिक्र करना चाहूंगा। किसी भी राष्ट्र की जनता की जरूरतें अन्य किसी भी चीज के मुकाबले अधिक बड़ी और महत्वपूर्ण होती हैं। संसद का धर्म यही है कि वह हमारी राष्ट्रीयता की अस्मिता की दृष्टि से महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर जीवंत तथा गतिशील बनी रहे। हमें आजादी उपहारस्वरूप नहीं मिली थी। पूरे देश ने आजादी की एक झलक के लिए मिलकर दशकों तक संघर्ष किया था, इसलिए हमें हर हाल में इसकी रक्षा करनी है। विज्ञान शिक्षा तथा उद्योग जैसे तमाम क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभाएं रही हैं।	

	स्वतंत्रता को घुसपैठियों तथा इसके साथ समझौता करने वालों से बचाना हमारा कर्तव्य है, न कि हमारे लिए पसंद और सुविधा का विषय। कोई भी वैचारिक सिद्धांत देश की सुरक्षा तथा समृद्धि से ऊपर नहीं हो सकता। कोई भी एजेंडा देश के लोगों से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। विद्यार्थियों को भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के लिए कमर कस लेनी चाहिए। अपनी प्रज्ञा को प्रज्वलित करें और बड़ी बात सोचें।	
क.	हमारी पसंद या सुविधा का विषय क्या नहीं है और क्यों ?	2
ख.	संसद का धर्म क्या बताया गया है ?	2
ग.	किसी भी वैचारिक सिद्धांत या एजेंडे से ऊपर क्या होता है और क्यों ?	2
घ.	हमारे धर्म ग्रंथ हमारे और संसार के बारे में क्या बताते हैं ?	2
ङ.	दशकों तक हमने किस बात के लिए संघर्ष किया ? और किसी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात क्या होती है ?	2
च.	गद्यांश को पढ़कर एक उचित शीर्षक लिखिए	1
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए -**	5
	जो नहीं हो सके पूर्ण-काम मैं उनको करता हूँ प्रणाम ! कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट जिनके अभिमंत्रित तीर हुए रण की समाप्ति के पहले ही जो वीर रिक्त-तूणीर हुए -उनको प्रणाम ! जो छोटी-सी नैया लेकर उतरे करने को उदधि-पार मन की मन में ही रही, स्वयं हो गए उसी में निराकर -उनको प्रणाम ! जो उच्च शिखर की ओर बढ़े रह-रह नव-नव उत्साह भरे	

	पर कुछ ने ले ली हिम-समाधी कुछ असफल ही नीचे उतरे -उनको प्रणाम ! कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए प्रत्युत फांसी पर गए झूल कुछ ही दिन बीते है, फिर भी यह दुनिया जिनको गई भूल -उनको प्रणाम !	
क.	कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है ?	1
ख.	छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का महत्व क्या है ?	1
ग.	उच्च शिखर की ओर बढ़ने वालों के भाव कैसे होते हैं ?	1
घ.	समाज कैसे लोगों को भुला देता हैं ?	1
ङ.	उदधि-पार करने से कवि का क्या आशय है ?	1
	अथवा	
	असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में, क्या जन में बह जाते देखा है ? क्या खाएँगे ? यह सोच निराशा से पागल, बेचारो को नीरव रह जाते देखा है ? देखा है ग्रामों की अनेक रम्भाओं को, जिनकी आभा पर धूल अभी तक छाई है ? रेशमी देह पर जिन अभागिनों की अब तक रेशम क्या, साड़ी सही नहीं चढ़ पाई है। पर तुम नगरों के लाल, अमीरों के पुतले, क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे, जलता हो सारा देश, किन्तु, होकर अधीर तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे ? चिंता हो भी क्यों तुम्हें, गाँव के जलने से, दिल्ली में तो रोटियाँ नहीं कम होती है, धुलता न अश्रु-बूँदों से आँखों से काजल, गालो पर की धुलियाँ नहीं नम होती है।	

	जलते हैं तो ये गाँव देश के जला करें, आराम नयी दिल्ली अपना कब छोड़ेगी, या रखेगी मरघट में भी रेशमी महल, या आँधी की खाकर चपेट सब छोड़ेगी। चल रहे ग्राम-कुंजों में पछिया के झकोर, दिल्ली लेकिन, ले रही लहर पुरवाई में, है विकल देश सारा अभाव के तापों से, दिल्ली सुख से सोई हैं नरम रजाई में।	
क.	कविता में दिल्ली किसका प्रतीक है ?	1
ख.	दिल्लीवालों को समस्याग्रस्त गाँवों की सुधि क्यों नहीं आती ?	1
ग.	ग्रामीण भारत किन समस्याओं से जूझ रहा है ?	1
घ.	कवि ने 'गाँव की रंभा' किसे कहा है ?	1
ङ.	आशय स्पष्ट करें है विकल देश सारा अभाव के तापों से, दिल्ली सुख से सोई है नरम रजाई में	1
	खंड - ख	20
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए -** क. घर से विद्यालय का सफर ख. प्रदूषण मुक्त प्रकृति का स्वप्न ग. अगर मैं फिल्म बनाता	5
4.	आम - चुनावों के समय कुछ राजनीतिक दलों द्वारा अमर्यादित भाषा - प्रयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लगभग 80-100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।	5
	अथवा	
	आप राजीव/ रेखा हैं जो महेश नगर, भोपाल में रहते हैं। शहर की सड़कों पर आवार पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नगर निगम के आयुक्त को लगभग 80-100 शब्दों में एक पत्र लिखकर उचित कदम उठाने के लिए अनुरोध कीजिए।	5

5.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 15-20 शब्दों तक लिखिए-**	1×5=5
क.	मुद्रित माध्यमों की भाषा की दो विशेषताओं का वर्णन करें।	1
ख.	रेडियो को एकरेखीय (लीनियर) माध्यम क्यों कहा जाता है ?	1
ग.	टेलीविजन पत्रकारिता में 'बाइट' का क्या अर्थ है ?	1
घ.	स्तंभ लेखन क्या होता है ?	1
ङ.	विशेष रिपोर्ट के दो प्रकारों का उल्लेख करें।	1
6.	नाटक लेखन में 'समय का बंधन' क्या है ? यह किस प्रकार रचना पर अपना असर डालता है ? लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए।	5
	अथवा	
	नगर उद्यान में आयोजित स्वास्थ्य एवं पर्यावरण मेला पर लगभग 80-100 शब्दों में एक फीचर लिखिए।	5
	अथवा	
	30 नवंबर 2019 को विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी के विषय में लगभग 80-100 शब्दों में एक समाचार लिखिए।	5
	खंड - ग	44
7.	**निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की 120-150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या लिखिए -**	8
	जब हम सत्य को पुकारते हैं तो वह हमसे परे हटता जाता है जैसे गुहारते हुए युधिष्ठिर के सामने से भागे थे विदुर और भी घने जंगलों में सत्य शायद जानना चाहता है कि उसके पीछे हम कितनी दूर तक भटक सकते हैं कभी दिखता है सत्य और कभी ओझल हो जाता है और हम कहते रह जाते हैं कि रूको यह हम हैं जैसे धर्मराज के बार-बार दुहाई देने पर कि ठहरिए स्वामी विदुर यह मैं हूं आपका सेवक कुंती नंदन युधिष्ठिर वे नहीं ठिठकते	
	अथवा	
	जननी निरखती बान धनुहिया। बार बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ	6

	कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे, "उठहु तात बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे"।। कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ भैया। बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया।"	
8.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	2×2=4
क.	'बारहमासा' कविता के आधार पर बताइए की कवि ने अगहन मास की क्या विशेषताएँ बताई हैं और उसका नागमती पर क्या प्रभाव पड़ा ?	2
ख.	'सरोज स्मृति' कविता में कवि निराला की वेदना के सामाजिक संदर्भों को स्पष्ट करिए।	2
ग.	"बसंत आया" कविता में कवि ने आज के मनुष्य की जीवन शैली पर व्यंग्य किया है इस कथन की पुष्टि उदाहरण देकर कीजिए।	2
9.	**निम्नलिखित काव्यांशो में से किसी एक के काव्य सौंदर्य पर 80-100 शब्दों में प्रकाश डालिए।**	4
क.	आदमी दशाश्वमेध पर जाता है और पाता है घाट का आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आंखों में एक अजीब सी नमी है और एक अजीब सी चमक से भर उठा है भिखारियों के कटोरों का नीचाट खालीपन	4
ख.	जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल सेहो मधुर बोल स्रवनहि सुनल स्रुति पथ परस न गेल।	4
10.	**निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 80-100 शब्दों में कीजिए -**	5
	याज्ञवल्क्य ने जो बात धक्का मार ढंग से कह दी थी वह अंतिम नहीं थी। वे 'आत्मन:' का अर्थ कुछ और बड़ा करना चाहते थे। व्यक्ति की 'आत्मा' केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, वह व्यापक है। अपने में सब और सबमें आप- इस प्रकार की एक समष्टि- बुद्धि जब तक नहीं आती तब तक पूर्ण सुख का आनंद भी नहीं मिलता। अपने आप को दलित द्राक्षा की भाँति निचोड़ कर जब तक 'सर्व' के लिए निछावर	

	नहीं कर दिया जाता तब तक 'स्वार्थ' खंड सत्य है, वह मोह को बढ़ावा देता है, तृष्णा को उत्पन्न करता है और मनुष्य को दयनीय- कृपण बना देता है। कार्पण्य दोष से जिसका स्वभाव उपहत हो गया है, उसकी दृष्टि म्लान हो जाती है। वह स्पष्ट नहीं देख पाता। वह स्वार्थ भी नहीं समझ पाता, परमार्थ तो दूर की बात है।	
11.	**निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए-**	3×2=6
क.	'साहित्य समाज का दर्पण है' इस प्रचलित धारणा के विरोध में 'यथास्मै रोचते विश्वम' के लेखक ने क्या तर्क दिए हैं उन पर टिप्पणी कीजिए।	3
ख.	बड़ी बहुरिया के मायके जाकर भी हरगोबिन संवाद क्यों नहीं सुना पाया ?	3
ग.	'धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है।'' आप इस कथन से कहां तक सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दें।	3
12.	'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' अथवा 'केदारनाथ सिंह' का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	5
	अथवा	
	'रामचंद्र शुक्ल' अथवा 'ममता कालिया' का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	5
13.	**निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 से 100 शब्दों में लिखिए -**	4×3=12
(क)	''गांव में ज्ञात- अज्ञात वनस्पतियों, जल के विविध रूपों और मिट्टी के अनेक वर्णों - आकारों का ऐसा समस्त वातावरण था जो सजीव था'' बिस्कोहर की माटी पाठ के आधार पर सोदाहरण पुष्टि करते हुए लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	4
(ख)	''अंधापन ही क्या थोड़ी विपत थी कि नित एक न एक चपत पड़ती रहती है।'' कथन के आधार पर सूरदास के संदर्भ से दृष्टिहीन दिव्यांगजनों की कठिनाइयों का उल्लेख लगभग 80 से 100 शब्दों में कीजिए ।	4
(ग)	''पग-पग नीर वाला मालवा सूखा हो गया'' विश्व पर्यावरण पर आए संकट के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।	4

(घ)	''.......पहाड़ धसक गया और अपने तीस नाली खेत, मकान, मां-बाबा - सब दब गए मलबे में। मैं ही किसी तरह बच गया, छानी पर था इसलिए वहीं से तबाही देखी थी मैंने लाचार, असहाय.....'' इस कथन के आलोक में पहाड़ों पर प्राय: आने वाली प्राकृतिक आपदाओं तथा पहाड़- वासियों की जिजीविषा और साहस पर टिप्प्णी कीजिए।	4
(ङ)	''सूरदास की झोपड़ी' उपन्यास अंश में ईर्ष्या, चोरी, ग्लानि, बदला जैसे नकारात्मक मानवीय पहलुओं पर अकेले सूरदास का सकारात्मक व्यक्तित्व भारी पड़ता है।'' जीवन मूल्यों की दृष्टि से इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।	4

नोट:-

पाठ्यक्रम 2019 - 20 में दिए गए प्रश्न पत्र के प्रारूप तथा प्रतिदर्श प्रश्न पत्र में दिए गए प्रारूप में विभिन्नता होने की स्थिति में, प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2019 - 20 के प्रारूप को ही अंतिम माना जाये।

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2019-20

हिंदी (ऐच्छिक) (कोड-002)

कक्षा - XII

अंक योजना

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन-कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही यथासंभव किया जाए।
- प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को अनदेखा करें।
- एक ही प्रकार की अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटें जाएं।

क्र. सं.	**संभावित उत्तर संकेत**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	खंड-क	
1	**अपठित गद्यांश**	**11**
क	• स्वतंत्रता को घुसपैठियों एवं राष्ट्र विरोधी तत्वों से बचाना • कठिन और लंबे संघर्ष से स्वतंत्रता की प्राप्ति	2
ख	राष्ट्रीय अस्मिता से संबंधित मुद्दों के प्रति सचेत एवं गतिशील बने रहना	2
ग	देश की सुरक्षा एवं समृद्धि, इनसे ही नागरिकों के अधिकार की स्थापना	2
घ	व्यक्ति और संसार में कोई भेद नहीं इसलिए दोनों के मिलकर चलने में ही कल्याण	2
ङ	स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए, जनता के अधिकारों की रक्षा	2
च	हमारा कर्तव्य/राष्ट्र और नागरिक (अन्य उचित शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
2	**अपठित काव्यांश**	1×5=5
क	उनके प्रयासों की सराहना हेतु	1
ख	ऐसे लोग ही बड़ी खोज और व्यापक परिवर्तनों के कारण	1

ग	हर कदम/प्रयास में उत्साह	1
घ	समाज के लिए अपना बलिदान देने वालों को भी	1
ङ	सांसारिक बाधाओं को पार कर बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने वाले	1
	अथवा	
क	शासन/सत्ता का	1
ख	बाढ़, सूखा और निर्धनता (किसी एक का उल्लेख अपेक्षित)	1
ग	अपने ही सुखों में मग्न रहने के कारण	1
घ	ग्रामीण युवतियों को जो निर्धनता और अभाव में जीने के लिए मजबूर हैं	1
ङ	देश में निर्धनता और अभाव लेकिन दिल्ली की सरकार उनसे बेखबर	1
	खंड - ख	
3	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर 120-150 शब्दों में रचनात्मक लेखन - विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक कल्पनाशीलता - 1 अंक	5
4	पत्र-लेखन (80-100 शब्दों में) आरम्भ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5
5	सभी प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर 15-20 शब्दों में अपेक्षित -	1×5=5
क	छपे शब्दों में स्थायित्व, अपने समय और गति से कहीं भी पढ़ने की सुविधा	1
ख	निश्चित क्रम और गति से हमेशा वर्तमान में प्रसारित	1
ग	बातचीत के टुकड़े या कथन को	1
घ	किसी निश्चित अंतराल या नियमित रूप से समाचार पत्र या पत्रिका के लिए किया जाने वाला लेखन	1
ङ	खोजी रिपोर्ट, इनडेफ्थ रिपोर्ट, विश्लेषणात्मक रिपोर्ट, विवरणात्मक रिपोर्ट (किन्ही दो का उल्लेख अपेक्षित)	1
6	(80-100 शब्द अपेक्षित) नाटक को प्रारंभ से लेकर अंत तक एक निश्चित समय सीमा में पूरा होना होता है, भूत काल या भविष्य काल में विस्तारित नाटक को सदैव वर्तमान में ही घटित होना अनिवार्य है। नाटक के प्रवाह को स्थगित नहीं किया जा	5

	सकता है। दर्शकों द्वारा नाटक देखने की क्षमता (समय सीमा) का भी प्रभाव नाटक लेखन पर **अथवा** फीचर लेखन (80-100 शब्द) विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक **अथवा** समाचार लेखन (80-100 शब्द) विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा एवं प्रस्तुति - 1 अंक उल्टा पिरामिड शैली का निर्वहन - 1 अंक	
	खंड - ग	
7	काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या (120-150 शब्दों में) कवि और कविता का नाम - ½ + ½ पूर्वापर प्रसंग - 1 व्याख्या - 5 विशेष - 1	8
8	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (30-40 शब्दों में)	2×2=4
क	दिन छोटे और राते लंबी होने लगी, शीत का प्रभाव, नायिका के लिए विरह के दिन कठिन और कष्टप्रद	
ख	यह केवल एक भाग्यहीन पिता के संघर्षों से उपजी वेदना ही नहीं वरन समाज की बेहतरी के लिए काम करने वाले युगचेता कवि निराला की समाज द्वारा की गई उपेक्षा को भी प्रकट करती	
ग	आधुनिक जीवन शैली पर व्यंग्य कि वसंत के आने की सूचना कलेंडर से एवं वसंत के सौंदर्य का ज्ञान भी कविताओं के अध्ययन द्वारा ही।	
9	(80-100 शब्दों में अपेक्षित) काव्य सौन्दर्य (किसी एक काव्यांश का काव्य सौंदर्य अपेक्षित) भाव सौंदर्य - 2 अंक शिल्प सौंदर्य - 2 अंक	4

10	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या (80-100 शब्दों में) लेखक और पाठ का नाम - ½ + ½ पूर्वापर प्रसंग - 1 व्याख्या - 2 विशेष - 1	5
11	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (60-70 शब्दों में)	3×2=6
क	साहित्य यदि केवल दर्पण होता हो समाज को बदलने की बात नहीं होती, दर्पण केवल सामने दिखने वाली वस्तु का प्रतिबिंब करता है लेकिन साहित्य वर्तमान यथार्थ के साथ ही भविष्य की ओर उन्मुख, साहित्य द्रष्टा और स्रष्टा के रूप में प्रजापति की भूमिका में	3
ख	संवाद कष्टदायक, ग्रामीण मर्यादा एवं संवेदना के विपरीत, बड़ी बहुरिया द्वारा गांव को छोड़कर चले जाने का भय, गांव की बदनामी की आशंका	3
ग	यह एक व्यंग्य कथन, वास्तव में धर्म के रहस्य को जानने का हम सभी अनुयायियों को, धर्म पर मुट्ठीभर लोगों का एकाधिकार अनुचित	3
12	किसी एक लेखक अथवा कवि का साहित्यिक परिचय संक्षिप्त जीवन परिचय - 2 रचनाएं - 1 साहित्यिक विशेषताएं एवं योगदान - 2	5
13	किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (80-100 शब्दों में)	4×3=12
(क)	बिस्कोहर का जीवन पूर्णत: प्रकृति पर निर्भर, शरद एवं वर्षा ऋतु के विविधि दृश्यों एवं उनके साथ ग्रामीण जीवन के संघर्षों का अंकन, अनेक प्रकार के फूल-फल, सब्जियों एवं विविध प्रकार की वनस्पतियों के साथ पलता जीवन	4
(ख)	अपने अंधेपन के कारण सूरदास का जीवन बाधाओं से घिरा, भीख मांग कर गुजारा, पड़ोसियों द्वारा प्रताड़ना का शिकार, नित अपमान का सामना, धन चोरी हो जाना (उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर विद्यार्थियों के स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर पर अंक दिए जाएँ ।)	4
(ग)	• वर्तमान सभ्यता में भोग पर बल, • प्रकृति का निर्मम दोहन, • पर्यावरण असंतुलन, • धरती के तापमान में वृद्धि आदि	4

	(उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर दिए गए तर्कपूर्ण उत्तर पर अंक दिए जाएँ)	
(घ)	विराट प्रकृति के समक्ष असहाय व्यक्ति के रूप में भूपसिंह, आपदाओं की विभीषिका का उल्लेख करते हुए उसका सामना करने, लड़ने एवं नए निर्माण के लिए संकल्पित होना (दिए गए स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)	4
(ङ)	सूरदास में निर्णय लेने की क्षमता है, विषम परिस्थितियों में हार नहीं मानना, सहनशील है, निराशा की प्रवृत्ति से उबरने की कोशिश, कर्म शील है एवं प्रतिशोध की भावना से दूर	4